सुगमकर्ताओं के लिए हस्तपुस्तिका

सहभागी अध्ययन गतिविधि

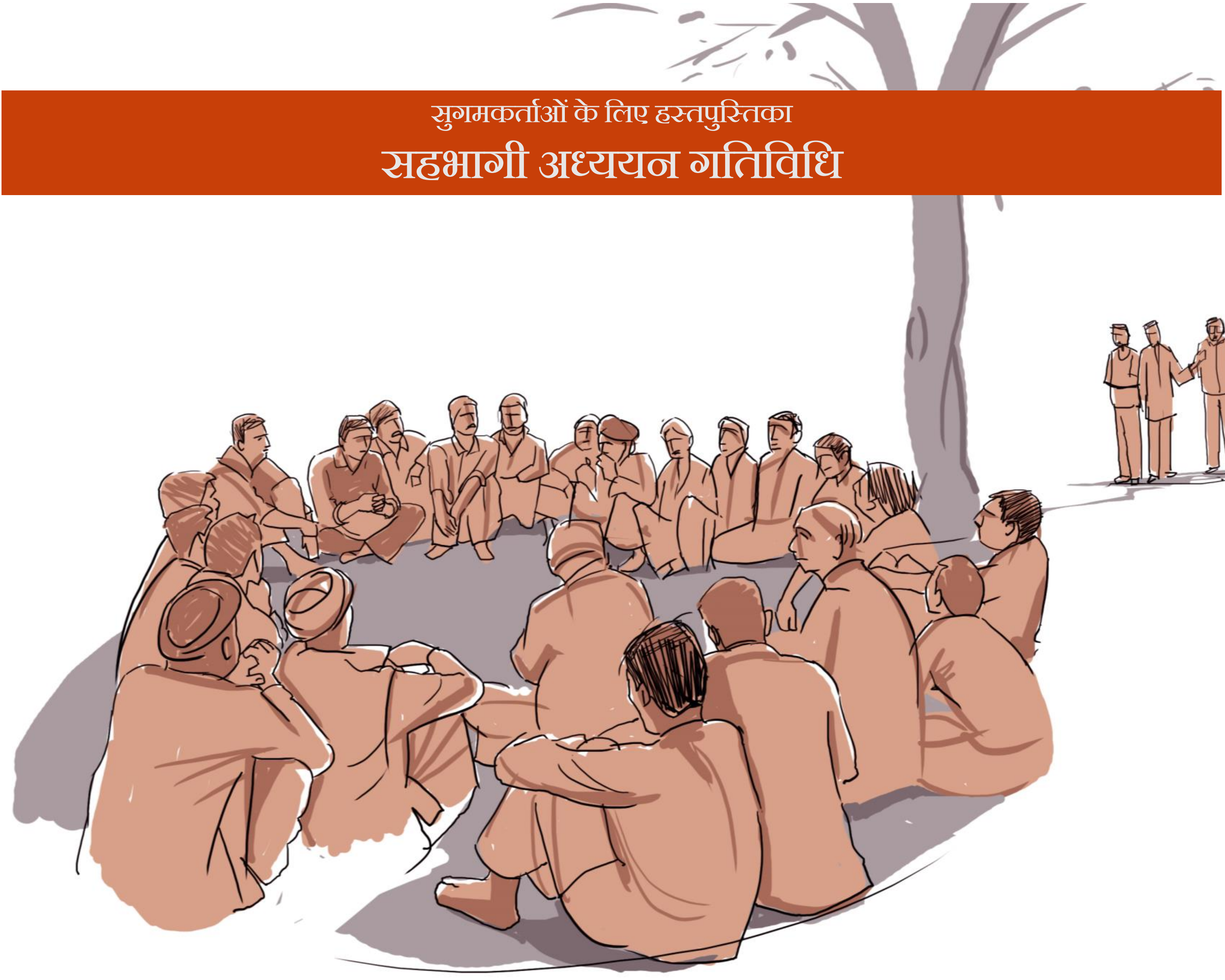

Azim Premji Philanthropic Initiatives

Sustainable Eco-friendly Farming for Small and Marginal Tribal Families

VAAGDHARA

Inspired from PLA conepts by Welthungerhilfe | Drawing by Pavel Paul | Designed by Abhijit Das

इस हस्तपुस्तिका का आशय सहभागी अध्ययन गतिविधियों के द्वारा सामुदायिक हस्तक्षेप को और सहभागी और समग्र बनाना है I इस हस्तपुस्तिका को सुगमकर्ताओं के लिए बैठक की सही योजना बनाने और बैठक संचालन में मदद के लिए बनाया गया है, जिससे समुदाय सुगमकर्ता की मदद से साथ साथ सीख सकें और उसके अनुसार उस पर कार्यवाही कर सकें I

बैठक में क्या है ?

क्या	कैसे	किन मुद्दों पर
हम अभी कहाँ हैं ?	गाँव का क्षेत्र परिभ्रमण	स्वaय को परिवेश से जोड़ना परिवर्तनों को समझना , समस्याओं को चिन्हित करना
समस्या की जड़ में जाएँ	कहानी सुनाने के उपरान्त 'लेकिन क्यों' खेल के आधार पर चर्चा	सामाजिक / पारिस्थितिक कारणों से जुड़े मूल कारणों की समझ बनाना
हमारे उत्पादन तंत्र क्या हैं?	मौसमी कैलेंडर बनाना और उसके उपरान्त फिल्म शो	आजीविका तंत्र का मौसमी विश्लेषण कर समस्याओं और चुनौतियों की समझ बनाना I समेकित खेती की समझ बनाना I बिना उपजाए प्राप्त खाद्य पर समझ बनाना I
पीछे कौन रह गए ?	पॉवर वाक खेल	पीछे रह जाने के कारणों पर समझ बनाना | अवसर की कमी | सामजिक बाधाएं
कौन क्या कर रहा है?	दैनिक चार्ट	लिंग के आधार पर काम की भूमिका और उसमे संतुलन पर समझ बनाना | सहभागिता को प्रोत्साहित करना
एक बालिका का बोझ	श्रृंखला खेल	बालिकाओ के ऊपर बोझ को समझना | सामाजिक प्रतिषेध | समय से पू0Z शादी के प्रभाव पर समझ I
बच्चा कौन है ?	रोल प्ले	समाज में बच्चो की भागीदारी पर समझ | बाल अधिकारों व् बाल मजदूरी की समझ | बच्चो के लिए विद्यालय का महत्व I
हमें क्या रोकता है ?	समूह गतिविधियाँ और उसके उपरान्त चर्चा	हम सामाजिक प्रक्रिया में क्यों भाग लें | सहभागिता के प्रकार | हम विभिन्न मंचों पर अपनी सहभागिता कैसs बढ़ा सकते हैं
आओ प्राथमिकता बनाए	मुख्यधारा की योजनाओं और सेवाओ के प्रदर्शन पर मतदान और मैट्रिक्स स्कोरिंग	योजनाओ और सेवाओं पर समुदाय के नजरिये की समझ | सरल और बुनियादी प्रदर्शन ऑडिट | सं0Sधानिक अधिकार
संवाद और प्रदर्शनी	विभिन्न हितभागियो से बातचीत और प्रदर्शनी	समुदाय द्वारा सत्र के दौरान सीखी बातों और उन पर बातचीत की गयी गतिविधियों का प्रदर्शन | सेवा प्रदाताओं के साथ

सुगमकर्ता कौन हो सकते हैं ?

इस तरह की बैठको के संचालन के लिए स्थानीय भाषा और विषय की समझ बहुत जरुरी है | अतः बेहतर है की सुगमकर्ताओ का चयन उसी क्षेत्र से किया जाए |

- एक सुगमकर्ता के पास अच्छा सम्प्रेषण कौशल और रिकॉर्ड संधारण के लिए न्यूनतम साक्षरता का होना जरुरी है|
- सुगमकर्ता यात्रा और भाग-दौड़ के लिए सहज होना चाहिए |

सुगमकर्ता की भूमिका क्या है ?

एक सुगमकर्ता से निम्नलिखित अपेक्षा होती हैं –

- मौजूदा सामुदायिक समूहों की मैपिंग और उनका कार्यक्रम हेतु चयन |
- जहां ऐसे समूह नहीं हों वहां छोटे सामुदायिक संगठनों को बनाना |
- सबसे वंचित लोगो की पहचान कर बैठको में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना |
- सहभागी अध्ययन और गतिविधि के आधार पर सुगमकर्ता समुदाय के सदस्यों को स्थानीय और प्रासंगिक मुद्दों की पहचान और चर्चा करने और इसमें उनके मतानुसार प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए मदद करेंगे | इस तरीके से सुगमकर्ता भी इन समस्याओं और मुद्दों से परिचित हो सकेंगे और स्थानीय उपलब्ध संसाधनों के अनुसार योजनाओ और रणनीतियो को योजना बना कर लागू कर सकेंगे | साथ ही वे अपने कार्यो का भी स्वमूल्यांकन कर सकेंगे |
- सुगमकर्ता प्रक्रिया को सहज व् सरल बनायेंगे न कि उपदेशक की भूमिका में रहेंगे |
- समुदाय की बातो को ध्यानपूर्वक सुन कर उससे सीखने का प्रयत्न करेंगे, यथा सुगमकर्ता कुछ समूहों से प्राप्त अनुभव के आधार पर अन्य समूहों को उपयोगी जानकारी दे सकते हैं |
- सुगमकर्ता किसी के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखेंगे और सभी प्रतिभागियों के साथ बेहतर रिश्ते बनायेंगे | वो सभी प्रतिभागियों को चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और बैठक में मात्र कुछ लोगो को चर्चा पर हावी नहीं होने देंगे |

एक सुगमकर्ता को सामुदायिक समूह में निम्लिखित गुण विकसित करने चाहिए :-

- स्वेच्छा से बैठको में भाग लें
- विस्तृत समुदाय के रूप में एक दूसरे की मदद करें
- अपना ज्ञान और अनुभव दूसरो के साथ बाँटें
- दूसरों को ध्यानपूर्वक सुनें और उनके मत का सम्मान करें
- अपना निर्णय स्वयं करें
- समस्याओं के समाधान के लिए साथ काम करें

प्रत्येक बैठक के प्रारम्भ में सुगमकर्ता -

- प्रतिभागियों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ अनौपचारिक बातचीत करेंगे |
- प्रतिभागियों को एक गोला बनाकर बैठने के लिए प्रोत्साहित करेंगे |
- प्रतिभागियों का स्वागत करेंगे और उन्हें आने के लिए धन्यवाद देंगे |
- बैठक के उद्देश्य के बारे में बतायेंगे |
- प्राथमिकता से चुने गए रणनीतियो की प्रगति पर चर्चा करेंगे |

पहली बैठक के प्रारम्भ में सुगमकर्ता अपना परिचय देंगे और प्रतिभागियों को भी अपना परिचय स्वयं देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि किसी का भी परिचय छूट नहीं जाये |

प्रत्येक बैठक की अंत में सुगमकर्ता -

- बैठक में मिली सीख का सार संक्षेप रखेंगे |
- अगली बैठक का दिन, समय और स्थान तय करेंगे |
- अगली बैठक के विषय के बारे में समूह को बताएँगे |
- प्रतिभागियों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ अनौपचारिक बातचीत करेंगे |
- बैठक में आने के लिए प्रतिभागियों को धन्यवाद देंगे और अगली बैठक में और भी लोगो को साथ लाने के लिए प्रेरित करेंगे |
- सभी महत्वपूर्ण बातो को पंजिका में अवश्य दर्ज करेंगे |

बैठक संख्या 1

विषय : हम अभी कहाँ हैं ?

प्रक्रिया : गाँव का भ्रमण और अनुप्रस्थ मानचित्रण

समय : 3 घंटे

उद्देश्य : परिवेश से जोड़ना | परिवर्तनों को समझना | समस्याओं को चिन्हित करना |

सुगमकर्ता विषय प्रवेश करायेंगे और सामुदायिक समूह सुगमकर्ता को खेती की जमीन, प्राकृतिक संसाधन जैसे जंगल, जल स्रोत, मंदिर और ऐतिहासिक महत्व के जगह, विद्यालय, आंगनवाडी, बाजार, सामुदायिक स्थान / चौपाल आदि जगह को दिखा कर गाँव से परिचित करायेंगे |

सुगमकर्ता और समुदाय साथ साथ गाँव का भ्रमण करेंगे |

सुझाव के तौर पर भ्रमण के दौरान पूछे जाने वाले कुछ प्रश्न -

- मुख्य फसलें – अनाज, दाल, तिलहन आदि कहाँ उगाये जाते हैं? सब्जियां कहाँ और कैसे उगाई जाती हैं? लोग खेती में किस प्रकार की चीजों का उपयोग निवेश के रूप में करते हैं?- बीज, खाद, कीटनाशक आदि और इनको कहाँ से और कैसे प्राप्त करते हैं?
- समुदाय में घरेलु बगीचे या घर बाड़ी में किस तरह की सब्जियां, पत्तेदार सब्जियां और फल उपजाए जाते हैं?
- अलग अलग मौसम में किन जगहों से और क्या क्या बिना उपजाए हुए खाद्य जमा किये जाते हैं? सुगमकर्ता सदस्यों से पूछेंगी और चर्चा करेंगी कि वे जंगली उत्पादों का कितना उपयोग करते हैं |
- गाँव में सबसे अच्छा किसान / माली कौन है? आप कैसे तय करते हैं कि वह सर्वश्रेष्ठ है? क्या हम उनका खेत बागीचा देख सकते हैं?
- पेयजल का मुख्य स्रोत क्या है? लोग कहाँ पर नहाते और बर्तन धोते हैं? गाँव में लोग शौच के लिए किस स्थान का उपयोग करते हैं? खेती के लिए उपलब्ध जल संसाधन क्या हैं?
- मंदिर कितना पुराना है? इसको किसने बनाया? यहाँ कौन से पर्व त्यौहार मनाये जाते हैं? कौन भाग लेते हैं? क्या पर्व त्यौहार के समय यहाँ कोई नृत्य-गीत होता है?
- यहाँ का सबसे पुराना पेड़ कौन सा है? इसको किसने लगाया था?
- गाँव में सबसे बुजुर्ग व्यक्ति कौन हैं? क्या हम उनसे मिल सकते हैं और पुरानी बातो के बारे में जान सकते हैं?
- क्या गाँव में कोई सामुदायिक स्थान है जहां लोग अनौपचारिक रूप से मिलते हैं और बातचीत करते हैं? इसका अंतराल क्या होता है? यहाँ कौन लोग आते हैं? क्या वो कभी कभी यहाँ गीत संगीत भी करते हैं? क्या आपके पास अभी भी पुराने संगीत वाद्य यंत्र हैं?
- विद्यालय कितना पुराना है? शिक्षक कहाँ से आते हैं? क्या आप विद्यालय नियमित जाए हैं? विद्यालय में पढाई कैसी चल रही हैं?
- बच्चे कहाँ खेलते हैं?
- क्या विद्यालय में मध्यान भोजन नियमित है? वहाँ क्या खिलाते हैं? क्या इस भोजन में समुदाय का भी सहयोग रहता है?

सुगमकर्ता साथ घूम रहे सभी लोगो के साथ एक जगह पर बैठेंगे |

सुझाव के तौर पर चर्चा इन बिन्दुओ पर हो सकती है -

- गाँव में कौन सी चीजें ऐसी हैं जिन पर हमें गर्व हो सकता है? हम इन्हें कैसे सुरक्षित रख सकते हैं? यह कौन करेंगे? हमारी भूमिका क्या होगी?

- जंगल, पोषण वाटिका, खेती की जमीन, फसल विविधता, उत्पादन में कठिनाइयों और स्थिति को समझने का प्रयास करेंगे और कुछ संभव उपायों के लिए ऐसी जगह और प्लाट को चिन्हित करेंगे जहां से से इनके समाधान के लिए छोटे प्रयास प्रयोग के तौर पर शुरू किये जा सकते हैं|
- उदाहरण के तौर पर यदि सबको लगता है की उनके पोषण बगीचे परती रह जाते हैं या उनमें वे सीमित सब्जियां उपजा पाते हैं अथवा/ पर्याप्त घेरे के अभाव में सब्जियां नहीं उपजाते हैं तो वे साथ बैठकर खेत परती रहने के मूल समस्या और कारणों का विश्लेषण कर सकते हैं| संभावित कारण पानी की कमी, बीज की अनुपलब्धता, खेती के काम के लिए समय नहीं होना या उचित घेराबंदी नहीं होना आदि कुछ भी कारण हो सकते हैं| अब सुगमकर्ता मौलिक सोच के साथ उपलब्ध स्थानीय संसाधनों, ज्ञान और कौशल का उपयोग कर उपयुक्त कार्ययोजना बनाने में लोगो की मदद करेंगे|

	निचली जमीन	बीच की जमीन	उपरी जमीन	जंगल
देखी गयी अच्छी आदतें				
ख़ास बातें				
सुधार के लायक चीजें				
ऐसी चीजें जिन्हें संरक्षित करना है या पुनर्जीवित करना है				

भ्रमण और चर्चा के दौरान सुगमकर्ता उपरोक्त दर्शायें चित्र के अनुसार गाँव का वास्तविक अनुप्रस्थ मानचित्र तैयार करेंगे और साथ की सारणी को भरेंगे| ऊपर दिखाया गया चित्र मात्र उदाहरण के तौर पर है, वास्तविक मानचित्र क्षेत्र भ्रमण के दौरान चुने गए मार्ग की वास्तविक स्थिति के आधार पर होगा|

अपेक्षित परिणाम

- बैठक के उपरान्त सुगमकर्ता गाँव की अच्छी चीजो और आदतों को पहचान कर उसका दस्तावेज बना सकेंगे|
- हम अच्छे किसानो की पहचान भी कर सकते हैं जो किसान पाठशाला के लिए प्रशिक्षक हो सकते हैं|
- सुगमकर्ता अच्छे किसानो को ऐसे खेत घूमने के लिए प्रेरित कर सकते हैं जहां विशेष देखभाल की आवश्यकता है, इस प्रकार अगली बैठक के पूर्व ही गाँव में आपस में अच्छी आदतों से सीखने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी|
- बैठक के अंत में एक छोटी समिति तय करें जो सामूहिक संसाधनों को पुनर्जीवित करने के लिए सोचेगी|

बैठक संख्या 2

विषय : समस्या की जड़ में जाएँ
प्रक्रिया : कहानी सुनाने के उपरान्त 'लेकिन क्यों' खेल के आधार पर चर्चा
समय : 2 घंटे
उद्देश्य : सामजिक / पारिस्थितिक कारणों से जुड़े मूल कारणों की समझ बनाना

सुगमकर्ता पिछली बैठक में बनाये गए पूर्ण मानचित्र को दिखाएँगे और पिछली बार लिए गए निर्णयों की प्रगति के बारे में पूछेंगे | यदि उत्तर नकारात्मक है तो जानने का प्रयास करेंगे कि इन्हें पूरा करने के लिए किस तरह के सहयोग की आवश्यकता है?

आज की बैठक का प्रारम्भ एक कहानी से होगा | उदाहरण के लिए –

> भंवरी जंगल के पास के एक गाँव में रहती थी जहाँ वे लोग कई तरह के फसल उगाते थे (जिसमे अनाज, दलहन, बीन्स, तिलहन, कंदमूल, मसाले, सब्जियां आदि सभी शामिल हैं) | भंवरी जब बच्ची थी तो पास के जंगल से फल, हरी सब्जियां, कंदमूल और कई अन्य वनोत्पाद जिनकी जानकारी उसे अपने माता पिता से मिली थी, वह इन सबको ख़ुशी ख़ुशी चुन कर घर लाती थीं |

> उसकी शादी एक ऐसे परिवार में हो गयी जो गरीब था और उनकी आमदनी का मुख्य जरिया मजदूरी था | वो अपने खेत के एक छोटे हिस्से में मकई उपजाते थे और बाकी का सारा खेत परती पड़ा रहता था | जब उसने अपने पति से पूछा कि वो लोग पूरी जमीन का उपयोग खेती के लिए क्यों नहीं करते हैं, तो उसके पति ने कहा कि हमारे पास पूरे खेत के लिए पर्याप्त बीज नहीं हैं और जमीन भी बिलकुल बंजर हो गयी है | उसने आगे कहा कि ऐसा शायद लम्बे समय तक रासायनिक खाद के उपयोग के कारण हुआ है | भंवरी ने फिर जानना चाहा कि वो लोग जंगल से खाद्य सामग्री क्यों नहीं जमा करते हैं, जिसपर उसके पति ने कहा कि जंगल जहां से हमें पर्याप्त पोषण और मिलता था वो अब उजड चुके हैं |

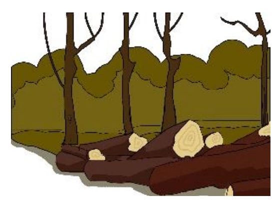

कुछ माह के बाद जब वह गर्भवती हुई तो उसने अपने पति से कहा कि वह उसे सब्जी, मांस, मछली, अंडे, दूध आदि लाकर दे क्योंकि उसने अपने घर पर अपनी भाभी को गर्भावस्था में तरह तरह के भोजन का सेवन करते देखा था | उसका पति असहाय होकर बोला "हमारे गाँव में स्थितियां बिलकुल अलग हैं, तुम्हारे यहाँ जमीन को लोगो ने जमीन का पूरा उपयोग विभिन्न तरह के अनाज, दाल, फल और सब्जी उपजाने के लिए किया है, यहाँ तक कि घर पर पोषण पाने के लिए जानवर भी पाल रखे हैं, यहाँ हमारी स्थिति अलग हैं क्योंकि यहाँ पर हम मात्र गेहूं और मकई उपजाते हैं और उसके लिए भी बीज बाजार से खरीद कर लाते हैं | हम बाजार से हरी सब्जियां नहीं खरीद सकते क्योंकि वो बहुत महँगी होती हैं. इसलिए तुम्हे हमारी स्थिति के अनुसार ही रहना पड़ेगा | मै जानता हूँ कि इससे हमारे बच्चे पर भी असर पड़ेगा लेकिन मैं इसमें कुछ कर नहीं सकता हूँ |

भंवरी ने अपने हालात से समझौता कर लिया और उसको पूरा भोजन और आराम गर्भावस्था में नहीं मिल पाया | उसको दूसरो के खेतों में भी मजदूर के तौर पर काम करना पड़ता था जहां कीटनाशकों का बहुत ज्यादा उपयोग होता था | इस तरह भंवरी धीरे धीरे बहुत कमजोर होती गयी और नवें माह में उसने एक कम वजन के बच्चे को जन्म दिया | भंवरी इतनी कमजोर हो गई थी कि कुछ ही महीने बाद वह मर गई | उसका बच्चा बहुत कमजोर हो गया था और एक साल की उम्र तक वह अतिकुपोषित हो चुका था इसलिए उसे अस्पताल में दाखिल करवाना पड़ा था |

कहानी सुनाने के उपरान्त सुगमकर्ता समूह के किसी भी सदस्य से पूरी कहानी को चित्र कार्ड की मदद से दोहरानs को कहेंगे | चित्र कार्ड से उन्हें कुपोषण के मुख्य कारणों को याद रखने में मदद मिलेगी |

सुगमकर्ता प्रतिभागियों को बताएँगे की वे लोग "लेकिन क्यों" खेल खेलने जा रहें हैं -

- सभी प्रतिभागियों को इस अभ्यास में भाग लेने के लिए प्रेरित करें |
- कहानी सुनाने के उपरान्त चित्र कार्ड को जमीन पर पड़े रहने दें |
- सुगमकर्ता समूह से चर्चा करने के लिए कहेंगे की बच्चा कुपोषित क्यों हो गया था और इस तरह से आगे प्रश्न पूछते जायेंगे जब तक प्रतिभागी समस्या की जड़ में न पहुँच जाएँ |
- समस्या के समाधान तक पहुँचने के लिए सुगमकर्ता कहानी के हर स्तर पर सभी से पूछेंगे कि इस स्थिति को नहीं आने देने के लिए क्या करना चाहिए था और सभी उत्तरों को नोट करेंगे ताकि इनका आगे उपयोग किया जा सके |

"लेकिन क्यों" खेल

कहानी के अंत में क्या हुआ?

बच्चे को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था |

किन बच्चे को अस्पताल में भर्ती क्यों करना पड़ा था?

क्योंकि बच्चा कुपोषित हो गया था |
लेकिन बच्चा कुपोषित क्यों हो गया था?
क्योंकि बच्चे को माँ का देखभाल नहीं मिला और उसका जन्म के समय वजन कम था |
लेकिन बच्चे को उसकी माँ का देखभाल क्यों नहीं मिला?
क्योंकि उसकी माँ मर चुकी थी |
लेकिन उसकी माँ की मृत्यु कैसे हुई?
क्योंकि उसकी माँ कमजोर और एनीमिया ग्रस्त थी |
लेकिन उसकी माँ कमजोर क्यों थी?
क्योंकि माँ को पूरा भोजन और आराम नहीं मिला था; न ही गर्भधारण और दूध पिलाने के काल में उसको पर्याप्त सब्जी, दाल और जंतु प्रोटीन प्राप्त हो पाए थे |
लेकिन माँ को गर्भधारण और दूध पिलाने के समय सही आहार क्यों नहीं मिल पाया?
क्योंकि उसको कठिन परिश्रम करना पड़ता था और उसके परिवार न तो सब्जी फल आदि खरीद पाने में सक्षम थे न ही उनको उपजाते थे और न ही पशुपालन करते थे |
लेकिन उनका परिवार सक्षम क्यों नहीं था?
क्योंकि वो दिहाड़ी मजदूरी का काम करते थे और न तो अपना फसल, सब्जी या फल आदि उपजाते थे न ही पशुपालन करते थे |
लेकिन क्यों वे मजदूरी करते थे और सब्जी आदि की खेती क्यों नहीं करते थे?
क्योंकि उनके पास विभिन्न फसलो की खेती के लिए अपने बीज नहीं थे और कृत्रिम रासायनिक खादों के उपयोग से उनकी खेत अनुपजाऊ हो चुकी थी और जंगल उजड जाने के कारण वहाँ से भी जंगली उत्पादन एकत्र नहीं कर पाते थे|
बच्चे के जन्म से कम वजन होने के और क्या कारण थे?
चूँकि भंवरी बिना उचित भोजन के लगातार काम कर रही थी और उसके परिवार वाले उसे पर्याप्त पोषक आहार नहीं उपलब्ध करवा रहे थे , क्योंकि वो न तो बाजार से खरीद पाने में सक्षम थे न ही अपनी जमीन पर उपजा पा रहे थे क्योंकि जमीन लगातार कृत्रिम रासायनिक खाद के उपयोग से बंजर हो गई थी |

सुगमकर्ता "लेकिन क्यों" खेल के अंत में ऐसे सभी कारण जो कुपोषण की समस्या की ओर ले जाते हैं उनकी चर्चा करते हुए इसका सार संक्षेप रखेंगे |

समाधान तक पहुँचने के लिए अब वह पूछेगी, "लेकिन क्या ?" और सभी प्रतिभागियों से जानना चाहेगी कि इस समस्या को हर स्तर पर रोकने के लिए क्या किया जा सकता था और प्राप्त समाधानों को पंजिका में नोट करेगी |

सुगमकर्ता प्रयास करेगी कि सभी का ध्यान चर्चा में परिवार की पोषण आपूर्ति में कृषि के महत्व पर जाए और लोग खेती की विविधता के महत्व को पोषण से जोड़कर समझ सकें |

अपेक्षित परिणाम

- जिनके पास पोषण बगीचा नहीं है वो पोषण बगीचा लगाना शुरू कर दें | अगले बैठक में प्रतिभागी इसपर अपनी योजना बना कर आयेंगे |
- सुगमकर्ता अगली बैठक से पहले ही पोषण बगीचा लगवाने का प्रयास शुरू कर देंगे |

बैठक संख्या 3

विषय : हमारे उत्पादन तंत्र क्या हैं?
प्रक्रिया : मौसमी कैलेंडर बनाना और उसके उपरान्त फिल्म शो
समय : 2.5 घंटे
उद्देश्य : आजीविका तंत्र का मौसमी विश्लेषण कर समस्याओं और चुनौतियों की समझ बनाना | समेकित खेती की समझ बनाना | बिना उपजाए प्राप्त खाद्य पर समझ बनाना

प्रतिभागियों के स्वागत के उपरान्त सुगमकर्ता प्रतिभागियों को पिछली चर्चाओं और सीख को दोहराने के लिए कहेंगे | कुछ लोगों को अपने पोषण बगीचा की योजना के बारे में बताने के लिए कहेंगे |

सुगमकर्ता विभिन्न स्थानीय खाद्य सामग्री की समझ के लिए नीचे दिए गए सारणी के अनुसार चित्र बनाकर मौसमवार खाद्य प्रकार और स्रोत की मैपिंग करेंगे | इस सूची को बढाने के लिए गाँव के बुजुर्गो और महिलाओ को विशेषकर प्रेरित करेंगे |

खाद्य समूह का नाम और विविधता की संख्या	गर्मी	बरसात	जाड़ा
	खाद्य का नाम और स्रोत*	खाद्य का नाम और स्रोत*	खाद्य का नाम और स्रोत*
अनाज			
दलहन, बीन्स			
हरी सब्जियां, पत्तेदार सब्जियां			
कंदमूल			
फल			
मसाले			
तेल			
जंतु प्रोटीन			
बिना उपजाए एकत्रित खाद्य			

** स्रोत - i) खेत अथवा बागीचा ii) गाँव की सामुदायिक संपत्ति जलस्रोत सहित, iii) जंगल, और iv) बाजार, सस्ती राशन की दूकान सहित*

सूची भरने के समय और उसके उपरांत निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा करेंगे –

- क्या हम सभी खाद्य समूह अपने भोजन में नियमित रूप से लेते हैं? कहाँ पर अंतर है? सभी खाद्य समूह भोजन में लेने के लाभ पर बात करें |
- कौन से खाद्य सामूहिक स्रोत से लुप्त होते जा रहे हैं? हम इन्हें बचाने के लिए क्या कर सकते हैं?

- सुगमकर्ता प्रतिभागियों से पूछेंगे कि लम्बे समय तक अपने खाद्य को संरक्षित रखने के लिए प्रसंस्करन के कौन से तरीके अपनाते हैं और पोषक तत्व को बचाए रखने के लिए क्या उपाय अपनाते हैं|
- सुगमकर्ता इस बात पर जोर देंगे कि गाँव में ही सभी तरह के खाद्य समूह मौजूद हैं और वर्ष भर संतुलित भोजन के लिए इनमे से अधिकाँश को स्थानीय तौर पर उपजाया जा सकता है या आस पास से सामूहिक संसाधनों जैसे जंगल, नदी, तालाब आदि से एकत्र किया जा सकता है|
- फसल उत्पादन में कहाँ पर कमी है? क्या हम वर्ष भर सभी मौसम में पर्याप्त फसल उपजा पा रहे हैं? हम विविधतापूर्ण खेती क्यों नहीं कर सकते हैं?
- क्या हमें खेती से वर्ष भर पर्याप्त आमदनी होती है?
- 'सच्ची खेती' फिल्म दिखाएँ और समेकित खेती के अंतर्गत किसान पाठशाला पर चर्चा करें|
- किसान पाठशाला में शामिल होने के इच्छुक किसानो के किसान समूह बनाने पर चर्चा करें|

अपेक्षित परिणाम

- किसान पाठशाला के लिए किसान समूह का गठन हो जाएगा
- इस बैठक के तुरंत बाद किसान पाठशाला के सत्र प्रारम्भ करें
- चर्चा में चिन्हित कमियों को अच्छी तरह से नोट करें|
- बैठक संख्या 1 के उपरान्त गठित समूह को अब ऐसे बिना उपजाए खाद्य का दस्तावेज बनाना होगा जो सामूहिक संसाधनों जैसे जंगल, तालाब, नदी आदि से एकत्र किये जाते हैं|

बैठक संख्या 4

विषय : पीछे कौन रह गए ?

प्रक्रिया : पॉवर वाक खेल

समय : 2 घंटे

उद्देश्य : पीछे रह जाने के कारणों पर समझ बनाना | अवसर की कमी | सामजिक बाधाएं

किसान समूह को अपनी अबतक की गई गतिविधियों को प्रस्तुत करने के लिए कहें | समूह को बिना उपजाए खाद्य पर बने दस्तावेज को प्रस्तुत करने के लिए कहें |

चर्चा करें, आज हम एक खेल खेलेंगे | इस खेल के लिए समूह से किन्ही 6 लोगों का चयन करें | बाकी के सदस्य खेल को देखेंगे और फिर उसपर चर्चा करेंगे | बैठक शुरू होने के पूर्व उन्हें खेल के बारे में बताएं | खेल में निम्नानुसार 6 पात्र हैं| प्रत्येक को एक भूमिका दें |

पात्र 1: भूमिहीन गर्भवती महिला जो अपने गर्भावस्था के पूर्ण काल में है | इसके दो बच्चे हैं और यह कृषि मजदूरी करती है | ये स्वास्थ्य केंद्र से बहुत दूरी पर रहती हैं |

पात्र 2: 8 वर्ष की विद्यालय से बाहर पढ़ाई छोड़ चुकी बच्ची |

पात्र 3: गाँव के सवर्ण नेता का पुत्र

पात्र 4: सीमान्त किसान जो मौसम में गाँव से पलायन करता है |

पात्र 5: छोटी जमीन वाला अंशकालिक मजदूर

पात्र 6: एक आत्म निर्भर किसान जो अपने खेत में अपना बीज और अपने खाद का प्रयोग करता है |

खेल शुरू करने के लिए सभी 6 पात्रो को समहू के बीच में एक पंक्ति में खड़े होने के लिए कहें और बताएं कि प्रत्येक बार पूछे गए प्रश्न के अनुसार यदि उनपर लागू हो तो एक कदम आगे बढायें | वह पात्र क्यों अपना कदम आगे बढाता है इस पर बड़े समूह में चर्चा हो सकती है |

सुगमकर्ता कुछ प्रश्न पूछेंगे, प्रश्न इतने साफ़ होने चाहिए चाहिय कि कोई भी उन्हें साफ़ साफ़ सुन सके | सुगमकर्ता सभी प्रतिभागियों से आग्रह करेंगे कि प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनें |

स्पष्ट रूप से बताएं कि यह महज एक खेल है और इन पात्रो का चयन किसी भी रूप में उपस्थित वास्तविक व्यक्तियों को ध्यान में रख कर नहीं किया गया है |

उदाहरण के तौर पर सुगमकर्ता द्वारा पूछे गए प्रश्न और उन पर संभावित प्रत्युत्तर इस प्रकार हो सकते हैं –

	पूछे जाने वाले प्रश्न	प्रश्नों के प्रत्युत्तर
1	आप में से कितने के परिवार में स्वास्थ्य केंद्र से 4 प्रसव पूर्व जांच प्राप्त हुआ है? कृपया एक कदम आगे बढायें		1, 2 अपनी जगह पर ही खड़े रहेंगे, बाकी सभी एक कदम आगे बढ़ाएंगे	
2	आप में से कितने के बच्चो का पूर्ण टीकाकरण हुआ है? कृपया एक कदम आगे बढायें		1, 4 अपनी जगह पर ही खड़े रहेंगे, बाकी सभी एक कदम आगे बढ़ाएंगे	
3	आप में से कितने के पास अपने यहाँ सब्जी उपजाने के लिए सिंचाई की सुविधा है? कृपया एक कदम आगे बढायें		4, 5 अपनी जगह पर ही खड़े रहेंगे, बाकी सभी एक कदम आगे बढ़ाएंगे	
4	आप में से कितने के यहाँ निम्नलिखित चीजें अपने भोजन में पिछले सप्ताह में कम से कम दो बार लिया गया? मिश्रित अनाज, दालें, गारी सब्जी, फल, तेल और मांस, मछली या अंडा	3,6 एक कदम आगे बढ़ाएंगे बाकी सभी अपनी ही जगह खड़े रहेंगे
5	आप में से कितनो को परिवार नियोजन, स्तनपान और नवजात शिशु की देखभाल पर परामर्श मिला है?	3 एक कदम आगे बढ़ाएंगे बाकी सभी अपनी जगह खड़े रहेंगे	
6	आप में से कितने सरकारी कार्यालय तहसील/बैंक आदि किसी काम के लिए गए हैं?	3,6 एक कदम आगे बढ़ाएंगे बाकी सभी अपनी जगह खड़े रहेंगे	
8	आप में से कौन कौन / या कितनो के बच्चे स्कूल गए थे / जाते हैं	3,6 एक कदम आगे बढ़ाएंगे बाकी सभी अपनी जगह खड़े रहेंगे	
9	आप में से कितने अपने निर्वाचित विधायक को जानते हैं और उनसे मिल सकते हैं?	3 एक कदम आगे बढ़ाएंगे बाकी सभी अपनी जगह खड़े रहेंगे	

खेल के उपरांत निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें -

- आगे कौन कौन आये थे? वो आगे क्यों हैं?
- पीछे कौन लोग छूट गए और वो पीछे क्यों छूटे ?
- किनको सबसे अच्छे अवसर मिले? किनको सबसे कम अवसर मिले?
- क्या इस वंचना का लिंग और आयु से कोई सम्बन्ध है?
- हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि सामुदायिक प्रक्रिया में वंचित लोगो की आवाज भी समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ सुनी जाये?
- हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि समुदाय में हर एक लोग अंतिम कदम तक पहुँच पायें?

अपेक्षित परिणाम

एक छोटी समित, प्राथमिकता के तौर पर महिलाओ का गठन करें जो निम्नलिखित बातो पर नजर रखें -

- विद्यालय में बच्चो का स्कूल से छूटना
- गर्भवती / धात्री माताओ तक पहुँच कर पता करना कि उन्हें प्रसवपूर्व और प्रसव उपरान्त सेवाएँ मिल रही हैं या नहीं?
- राशन दुकान की निगरानी करें

बैठक संख्या 5

विषय : कौन क्या कर रहा है?
प्रक्रिया: दैनिक चार्ट
समय : 2 घंटे
उद्देश्य : लिंग के आधार पर काम की भूमिका और उसमे संतुलन पर समझ बनाना | सहभागिता को प्रोत्साहित करना

सुगमकर्ता पिछली बैठक में किये गए चर्चा के बारे में प्रतिभागियों से जानेंगे | क्या आप बता सकते हैं कौन सबसे पीछे रह गया था और उसके क्या कारण थे? क्या आपमें से किसी ने अपने परिवार में इसपर चर्चा की? समिति पूरे समूह को अपने अवलोकन के बारे में बताएगी |

इस खेल के लिए सुगमकर्ता को अपने साथ एक सहयोगी की आवश्यकता पड़ेगी |

समूह में से पुरुषो और महिलाओं के दो अलग समूह बनायेंगे | सुगमकर्ता और उनके सहयोगी में से एक एक दोनों समूह में बैठेंगे | यदि संभव हो तो दोनों समूहों को अलग अलग जगह पर बैठाएंगे ताकि एक समूह दुसरे समूह की चर्चा को नहीं सुन पाए |

दोनों सुगमकर्ता समुदाय के एक सामान्य पात्र का चयन अपने समूह में करेंगे और निम्नांकित चार्ट में उनकी दैनिक गतिविधियों को समय के अनुसार बनायेंगे ताकि पता चल सके कि यह पात्र दिन भर में क्या क्या करता / करती है | दिन भर के सभी कार्यो को लिखें , यहाँ तक कि छोटे छोटे कार्यो को भी | विस्तार से चर्चा करें | पात्रो को कोई काल्पनिक नाम दें ऐसे पुरुष समूह के लिए रमेश और महिला समूह के लिए सरिता |

प्रातः 4 AM – 6 AM	
6 AM – 8 AM	
8 AM – 10 AM	
10 AM – दोपहर 12	
दोपहर 12 – 2PM	
2 PM – 4 PM	
4 PM – 6 PM	
संध्या 6 PM – 8 PM	
रात्री 8 PM – 10 PM	

दोनों समूहों को चर्चा और अभ्यास के उपरान्त पुनः साथ बैठाएं |

दोनों समूहों द्वारा बनाए गए चार्ट को प्रस्तुत करें |

निम्नलिखित बिन्दुओ पर चर्चा करें -

- दोनों चार्ट में क्या अंतर है? क्या समानताएं हैं? दोनों में अंतर क्यों है?
- कौन किस तरह के काम के लिए जिम्मेदार है?

- निर्णय कौन लेते हैं? बाहर की दुनिया से अधिक कौन जुड़े हैं – उदाहरण के लिए बाजार, बैंक आदि?
- क्या हम रमेश और सरिता की भूमिका को उलट सकते हैं? क्यों नहीं?
- क्या रमेश सरिता जो काम करती है उसकी सराहना कर सकता है? क्या सरिता रमेश जो काम करता है उसकी सराहना कर सकती है?
- क्या रमेश सरिता के काम के बोझ को कम करने में मदद कर सकता है? क्या सरिता रमेश के काम के बोझ को कम करने में मदद कर सकती है? यदि नहीं तो क्यों?
- क्या रमेश सरिता से मदद मांग सकता है? क्या सरिता रमेश से मदद मांग सकती है? यदि नहीं तो क्यों?
- क्या करना चाहिए कि दोनों बराबर की जिम्मेदारी निभा सकें? क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छा विचार है? यदि हाँ, तो रमेश और सरिता को क्या करना चाहिए?

प्रतिभागियों को अपने घर में इस स्थिति की तुलना करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपेक्षित परिणाम

यह प्रायः व्यवहार में बदलाव सम्बंधित बैठक है, इसलिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें कि चर्चा में आये किसी भी मुद्दे पर अपने परिवार में अनुकूल व्यवहार को अपनाये। लोग बता सकते हैं कि वो स्वयं में क्या परिवर्तन करना चाहते हैं।

बैठक संख्या 6

विषय : एक बालिका का बोझ

प्रक्रिया : कहानी सुनाना और फिर श्रृंखला खेल

समय : 2 घंटे

उद्देश्य : बालिकाओ के ऊपर बोझ को समझना | सामजिक प्रतिषेध | समय से पूर्व शादी के प्रभाव पर समझ

सुगमकर्ता प्रतिभागियों से पूछेंगे कि क्या कोई भी प्रतिभागी पिछले बैठक पर अपने अनुभव के बारे में कुछ कहना चाहेंगे और उन्होंने अपने व्यवहार में क्या परिवर्तन अनुभव किया है |

सुगमकर्ता चित्र कार्ड का उपयोग कर के निम्नलिखित कहानी प्रतिभागियों को सुनायेंगे

> बमई विद्यालय की पढ़ाई बीच में ही छोड़ चुकी थी और घरेलु काम काफी मेहनत से करती थी | वह घर पर अपने पिता और भाई के खाना खा लेने के बाद सबसे अंत में अपनी माँ के साथ खाती थी | इसलिए उसे पूरा पोषण कभी नहीं मिल पाया और उसका स्वास्थ्य भी बहुत कमजोर था | उसकी शादी 13 वर्ष की उम्र में एक गरीब परिवार में हो गयी और वह शीघ्र ही गर्भवती भी हो गयी | गर्भावस्था के दौरान उसने अपने आहार पर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण वह एनीमिया ग्रस्त और कमजोर हो गयी | उसने स्वास्थ्य केंद्र से आयरन की गोली भी नहीं ली क्योंकि जब वह अंतिम बार गोली लेने के लिए स्वास्थ्य केंद्र गयी थी स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने कहा कि उनके पास दवा का भण्डार नहीं है |
>
> उसने एक कम वजन की बच्ची को जन्म दिया | पूरा परिवार लड़की पाकर खुश नहीं था | वह खुद भी कुपोषित थी और उसकी सास उसे दिन भर में एक ही बार खाना देती थी, जिससे उसके पास बच्चे को स्तनपान कराने के लिए पूरा दूध नहीं उतर रहा था | उसकी सास ने उसे सलाह दी कि पहले दो दिनों तक बकरी का दूध पिलाये और बच्ची को गाढ़ा पीला पहला दूध नहीं पिलाये, और बाद में उसने बच्चे को बोतल का दूध पिलाने के लिए समझाया | जब बमई अपने बच्चे को टीका दिलाने के लिए लेकर गयी तो उसे दुसरे दिन आने के लिए कहा गया क्योंकि स्वास्थ्य कार्यकर्ता को किसी बैठक में जाना था | उस दिन के बाद से वह स्वास्थ्य केंद्र कभी नहीं गयी | जब बच्ची 10 माह की थी तो उसको बुखार के साथ सारे शरीर में चकत्ते आ गए थे और उसे बीमारी में पर्याप्त भोजन नहीं दिया गया | बच्ची किसी तरह दवा की मदद से ठीक हो गयी लेकिन वह बहुत ही कमजोर हो गयी थी और आगे जाकर बौनी और कुपोषित रह गयी |

सुगमकर्ता किसी एक प्रतिभागी को चित्र कार्ड की मदद से कहानी को दुहराने के लिए कहेंगे | चित्र कार्ड को कहानी सुनाने के बाद जमीन पर ही पड़े रहने दें |

सुगमकर्ता अब बताएँगे कि हमलोग एक 'श्रृंखला खेल' खेलने जा रहें हैं | यह एक व्यवहारिक और दृश्य अभ्यास है जिससे प्रतिभागियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक बच्ची भेदभाव के चलते गंभीर रूप से जिन्दगी भर के लिए कुपोषित हो जाती है | यह खेल इस भेदभाव के कारणों को समझने और विश्लेषण करने में प्रतिभागियों की मदद करेगा और इसकी रोकथाम पर समझ विकसित करेगा |

कहानी में वर्णित सभी कारणों को 4 मुख्य शीर्षों में रखा जा सकता है:

- पोषण सम्बंधित (हरे रंग में) – बातें जिनका पोषण और भोजन से सम्बन्ध है |
- संस्कृति और लोक व्यवहार सम्बंधित (पीले रंग में) – बातें जिनका लोगों के व्यवहार, रूख, परम्पराव और मान्यताओं से सम्बन्ध है |

- बीमारी सम्बंधित (लाल रंग में) - बातें जिनका सम्बन्ध वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी आदि से जनित रोग के सम्बन्ध में है|
- अधिकार सम्बंधित (नीले रंग में) – बातें जहाँ अधिकारों का उल्लंघन होता है|

अब सुगमकर्ता चार रंग के कागज़ की पट्टियाँ या फीते लेंगे जिनसे उपरोक्त चार मुख्य कारणों को दर्शाया जा सके| वह प्रतिभागियों को बताएगी कि चारो रंगों का क्या अर्थ है| सुगमकर्ता समूह को उनके द्वारा बताये गए सभी कारणों को याद दिलाएंगी और उन्हें बतायेंगी कि सभी कारणों को इन्ही चार वर्गों में रखा जा सकता है|

सुगमकर्ता एक बच्ची का कटआउट या गुडिया लेकर इस खेल को करेंगी| गुडिया या पुतले को दीवार या पेड़ के सहारे ऊँची जगह पर रखेंगे और खेल को शुरू करेंगे|

अब सुगमकर्ता सदस्यों के बीच रंगीन फीते या पट्टियों को बाँटेंगे| हर एक बार जब सुगमकर्ता एक कारण का उल्लेख करेंगे सदस्यगण उस समस्या से सम्बंधित चार में से एक उपयुक्त कारण के बारे में बताएँगे और जिस किसी भी एक का उत्तर सही होगा वो अन्य सदस्यों से इस पर चर्चा करेंगे और गुडिया के पाँव में सम्बंधित रंग का फीता बांधेंगे| हर एक प्रश्न के लिए एक सम्बंधित रंग का फीता इसमें जोड़ कर बांधते जायेंगे इस प्रकार रंगों की एक श्रृंखला तैयार हो जायेगी|

यह श्रृंखला / बेडियाँ धीरे धीरे हर सवाल के साथ जुड़ कर लम्बी होती जायेंगी जो यह बताती हैं की कैसे एक बालिका पर इतने सारे बोझ उसकी स्थिति को दयनीय बना देते हैं| सुगमकर्ता प्रतिभागियों से पूछेंगे कि क्या इस बच्ची के पैरों में समस्याओं की बेड़ियाँ अच्छी लग रही हैं?

इस श्रृंखला / बेड़ियों को तोड़ने के लिए सुगमकर्ता सदस्यों से पूछेंगे कि इन बंदिशों/ समस्याओं को दूर करने के लिए क्या क्या किया जा सकता है| समूह के सदस्य सभी संभावनाओं पर विचार करेंगे और खुली चर्चा करेंगे| जैसे ही किसी एक समस्या के समाधान पर सहमत होंगे उस फीते को श्रृंखला से खोल कर हटा देंगे| इस तरह बारी बारी से सभी फीते गुडिया के पैर से हटा दिए जायेंगे| सुगमकर्ता इन सभी उपायों रणनीतियो को नोट करते जायेंगे|

सदस्यगण आपस में समस्या और समाधान पर बातचीत और चर्चा कर सकते हैं|

अपेक्षित परिणाम

यह भी एक व्यवहार परिवर्तन से सम्बंधित गतिविधि हैं| सुगमकर्ता बैठक संख्या 5 में बनाए गए समिति से पूछेंगे कि उनमे से किन लोगों ने गर्भवती और धात्री महिलाओं की पहचान की है और उन्हें इस बैठक में सीखी गयी 5 मुख्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कहेंगे| 5 मुद्दे बैठक में तय किये जा सकते हैं|

बैठक संख्या 7

विषय : बच्चा कौन है ?

प्रक्रिया : रोल प्ले

समय : 2 घंटे

उद्देश्य : समाज में बच्चो की भागीदारी पर समझ | बाल अधिकारों की समझ | बाल मजदूरी | बच्चो के लिए विद्यालय का महत्व |

सुगमकर्ता प्रतिभागियों से पिछली बैठक में किये गए काम के बारे में पूछेंगे और उस बैठक पर उनकी प्रतिक्रिया आमंत्रित करेंगे | समिति अपने द्वारा किये गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी |

आज की गतिविधि के लिए सुगमकर्ता जमीन पर दो गोले बनायेंगे | एक गोला अच्छाई का होगा (इसके लिए गोले में एक मुस्कुराते बच्चे का चित्र बनायेंगे) और दूसरा गोला बुराई का होगा (इसके लिए गोले में उदास बच्चे का चित्र बनायेंगे) !

प्रतिभागियों मेस से 10 का चयन करेंगे और उन्हें गोले में खडा होने के लिए कहेंगे |
अब उनके बीच 20 कार्ड बांटेंगे, प्रत्येक को 2 कार्ड देंगे | कार्ड में निम्लिखित चित्र होंगे –

- एक खेलती हुई लड़की
- एक खेलता हुआ लड़का
- विविधतापूर्ण भोजन की एक थाली
- किताब पढ़ रही एक लड़की
- साइकिल चला रही एक लड़की
- साथ स्कूल जाते हुए एक लड़का और एक लड़की
- एक लड़का और एक लड़की वाला परिवार
- एक स्वच्छ घर के पास बैठा पूरा परिवार
- खेत में काम कर रहा एक लड़का
- पानी ढोती हुई एक लड़की और खेलता हुआ लड़का
- सिगरेट पिता हुआ एक लड़का
- डॉक्टर से इलाज करवाती हुई एक लड़की
- पिटाई खाता हुआ एक लड़का
- एक गंदा सा विद्यालय
- रात में अकेले घूमती हुई एक लड़की
- अच्छे सुन्दर कपडे पहने हुई मान और उसके साथ एक गन्दा नंगा सा बच्चा
- सड़क पर भीख मांगता हुआ बच्चा
- एक बूढ़े आदमी के साथ शादी करती हुई एक लड़की
- एक लड़की को छूने के लिए बहुत सारे बढे हुए हाथ
- विद्यालय में मध्याह्न भोजन

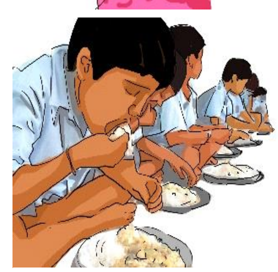

प्रतिभागी इनमे से जो कार्ड बच्चो के लिए अच्छे हैं उन्हें अच्छे गोले में और जो कार्ड उनके लिए अच्छे नहीं हैं उन्हें बुरे गोले में रखेंगे |

अब सुगमकर्ता बुरे कार्डों को बारी बारी से दिखाएँगे और समुदाय बतायेगा कि ये कार्ड क्यों बुरे हैं और इनको सही करने के लिए क्या किया जा सकता है | इन कार्डों की गाँव की स्थिति से तुलना करेंगे, उदाहरण के तौर पर आपके गाँव में स्थिति क्या हैं -

- विद्यालय में मध्याह्न भोजन नियमित है और या अच्छी गुणवत्ता का है
- सभी लडकियां विद्यालय जा रही हैं
- लड़कियों की शादी 18 वर्ष की उम्र के बाद होती है
- गाँव में कोई बाल मजदूर नहीं हैं
- बच्चो को पोषणयुक्त भोजन मिलता है
- हर एक लोग बच्चो की बात को सुनते हैं और उनकी जरुरतो पर ध्यान देते हैं
- कोई भी बच्चो पर अत्याचार नहीं करता है

अच्छे कार्ड में कौन सी बातें सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं? हम आज से इन चीजो को बनाए रखने के लिए क्या कर सकते हैं?

अपेक्षित परिणाम

- ऊपर चर्चा किये गए मुद्दों पर विद्यालय और आंगनवाडी केंद्र के अवलोकन के लिए एक अलग से समिति बनाएं |
- अगली बैठक के पहले समिति विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों से मिला कर अपनी बातो से अवगत करायेंगे |
- बाल अधिकारों की रक्षा के लिए किशोर-किशोरियों के समूह का गठन किया जा सकता है जो कि तम्बाकू प्रतिषेध, बाल मजदूरी प्रतिषेध आदि मुद्दों पर एक अभियान चला सकें |

बैठक संख्या 8

विषय : हमें क्या रोकता है?

प्रक्रिया : समूह गतिविधियाँ और उसके उपरान्त चर्चा

समय : 2 घंटे

उद्देश्य : हम सामाजिक प्रक्रिया में क्यों भाग लें | सहभागिता के प्रकार | हम विभिन्न मंचों पर अपनी सहभागिता कैसा बढ़ा सकते हैं |

सुगमकर्ता समिति को अपने अवलोकन प्रस्तुत करने का अनुरोध करेंगे | सुगमकर्ता किशोर – किशोरी समिति की स्थिति के बारे में बताएँगे |

समूह को 5 छोटे उपसमूहो में बाँट कर निम्नांकित भूमिका दें -

- महिलायें
- बच्चे
- छोटे किसान
- मजदूर
- नौकरी धारक

10 मिनट में सभी उपसमूह स्वयं से सम्बंधित गाँव में मौजूद एक सबसे बड़ी समस्या के बारे में बताएँगे |

सभी समूह अलग तरह के मुद्दे लेकर क्यों आये इसपर चर्चा करें| हो सकता है कि सभी का परिप्रेक्ष्य अलग होने के कारण अलग बातें प्राथमिकता के तौर पर आ रही हैं |

कौन सी समस्या सबसे अधिक महत्वपूर्ण है? तय करने के लिए प्रतिभागियों| की प्रतिक्रिया लें और जरुरत हो तो त्वरित मतदान कराएँ |

अगले चरण में, उसी उप समूह में समस्या के लिए प्रस्तावित समाधान और 10 मिनट के अन्दर एक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाएं|

चर्चा करें -

- समस्या का समाधान भी अलग अलग हो सकता है | अलग समाधान क्यों आते हैं ?
- क्या समस्या को विभिन्न नजरियों से देखना अच्छा है? यदि हाँ, तो क्यों?
- गाँव में कोई निर्णय कैसे होता है? निर्णय कौन लेते हैं? निर्णय लेने के लिए विभिन्न मंच कौन से हैं? क्या हम सभी निर्णय प्रक्रिया में भाग लेते हैं
- अगर हम निर्णय लेने में भाग नहीं लेते हैं और हमारे बदले कोई और निर्णय लेता है तो इसका क्या असर पड़ेगा? उदाहरण सहित बताएं |

सुगमकर्ता भागीदारी के विभिन्न प्रकार को चित्र कार्ड के माध्यम से दिखाएँगे और लोगो को स्थिति की व्याख्या करने के लिए कहेंगे | भागीदारी के विभिन्न प्रकार क्या हैं? हमारे यहाँ प्रायः किस प्रकार की भागीदार होती है?

सकारात्मक भागीदारी

परामर्श से भागीदारी

सामग्री प्रोत्साहन की भागीदार

संवादमूलक भागीदारी

आत्म-आंदोलन

भागीदारी के प्रकार

सकारात्मक भागीदारी : इस भागीदारी के अंतर्गत लोगों को बताया जाता है कि क्या होने जा रहा है या पहले से ही हो चुका है।

परामर्श से भागीदारी: लोगों से परामर्श करके भाग लेते हैं, और बाहरी लोगों के विचार सुनते हैं, लोगों के प्रतिक्रियाओं के प्रकाश में इन्हें संशोधित कर सकते हैं लेकिन निर्णय लेने में उन्हें शामिल नहीं करते हैं।

भौतिक / सामग्री प्रोत्साहन की भागीदार : लोग संसाधन प्रदान करके भाग लेते हैं, उदाहरण के लिए श्रम, भोजन, नकदी के बदले में।

संवादमूलक भागीदारी : लोग साझा विश्लेषण, कार्ययोजना निर्माण और स्थानीय निकायों के गठन और क्षमतावृद्धि में भागीदार करते हैं।

आत्म-आंदोलन : लोग व्यवस्था परिवर्तन के लिए बाहरी संस्थानों से प्रभावित हुए बिना खुद से पहल करते हैं। वे संसाधनों और तकनीकी सलाह के लिए बाहरी संस्थानों के साथ संपर्क विकसित करते हैं, लेकिन संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाता है, इस पर अपना नियंत्रण बनाए रखते हैं।

चर्चा करें, अगर हम स्व-आंदोलन की भागीदारी में हैं तो हम समस्या को कैसे हल कर सकते हैं? आत्म-संगठित भूमिका में भाग लेने के लिए बाधाएं क्या हैं?

चुनाव भागीदारी का एक और महत्वपूर्ण तरीका है। क्या हम वोट देते हैं? क्या वोट देने से पहले हम विकास की प्राथमिकताओं पर विचार करते हैं?

अपेक्षित परिणाम

- यदि सदस्यों में से कोई भी ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति , ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समिति , विद्यालय प्रबंधन समिति, माता समिति , किसान क्लब, स्वयं सहायता समूह आदि के भी सदस्य हैं तो उन्हें चिन्हित करें।

- अगली बैठक के पूर्व बैठक 7 में तय की गयी समिति इन प्रतिनिधियों से भागीदारी बढाने के उपायों पर चर्चा करेगी और समिति के सदस्य कैसे वास्तविक प्रतनिधि के तौर पर काम कर सकें इस पर विचार करेगी।

बैठक संख्या 9

विषय : आओ प्राथमिकता बनाए

प्रक्रिया : मुख्यधारा की योजनाओं और सेवाओ के प्रदर्शन पर मतदान और मैट्रिक्स स्कोरिंग

समय : 2 घंटे

उद्देश्य : योजनाओ और सेवाओं पर समुदाय के नजरिये की समझ | सरल और बुनियादी प्रदर्शन ऑडिट | संवेधानिक अधिकार

सुगमकर्ता समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे |

सुगमकर्ता ऐसे सभी सरकारी योजनाएं और सेवाएँ जिनसे लोग परिचित हैं, उनकी एक सूची बनाने का प्रयास करेंगे | यदि कुछ ख़ास योजनायें या सेवाएँ सूची में छूट जा रही हैं तो सुगमकर्ता उन्हें जोड़ देंगे | याद रखने और सुविधा के लिए इन योजनाओं को विभिन्न समूहों में रख सकते हैं जैसे – 1) स्वास्थ्य, 2) कृषि / बागवानी 3) भोजन / पोषण 4) पेंशन और अन्य सुविधाएं |

अब वह इन योजनाओ की सूची बनाकर कार्ड पर लिखेंगी | हर योजना / सेवा को अलग कार्ड पर लिखेंगी और जमीन पर प्रदर्शित करेंगी | एक कार्ड पर एक से अधिक योजना नहीं लिखना है |

प्रत्येक प्रतिभागी को बताएं कि हर एक के पास 5 वोट हैं और इन योजनाओ में से उन्हें 5 सबसे महत्वपूर्ण योजना/सुविधाओं को चुनना है जिनसे वो अच्छी तरह से परिचित हैं या लाभान्वित हुए हैं | वोट देने के लिए सम्बंधित योजना / सेवा के कार्ड पर एक छोटा कंकड़, फूल आदि कोई चिन्ह रखेंगे | प्रक्रिया को स्पष्ट करें | ध्यान दें कि प्रतिभागी स्वेच्छा से बिना दूसरो से प्रभावित हुए अपने मन के अनुसार मत दे रहे हैं |

प्राप्त परिणामो को नोट करें | सबसे प्रचलित 8 का चयन करें |

इन 8 को शीर्ष पर रख कर उदाहरण के लिए नीचे दिए चित्र के अनुसार मैट्रिक्स बना लें -

	मनरेगा	मध्याह्न भोजन	विद्यालय	जन वितरण प्रणाली	प्रसव पूर्व/पश्चात सेवा	विधवा पेंशन	स्वास्थ्य सुविधा	किसान क्रेडिट
मनरेगा	X							
मध्याह्न भोजन	X	X						
विद्यालय	X	X	X					
जन वितरण प्रणाली	X	X	X	X				
प्रसव पूर्व/पश्चात सेवा	X	X	X	X	X			
विधवा पेंशन	X	X	X	X	X	X		
स्वास्थ्य सुविधा	X	X	X	X	X	X	X	
किसान क्रेडिट	X	X	X	X	X	X	X	X

इस सारणी में मैट्रिक्स स्कोरिंग करवाएं |

प्राप्त अंको के आधार पर सबसे अच्छी और सबसे खराब की वरीयता सूची तैयार करें |

चर्चा करें -

- बेहतर प्रदर्शन के पीछे क्या कारण थे ?
- खराब प्रदर्शन के पीछे क्या कारण थे?
- इन योजनाओ में भागीदारी कैसे सुनिश्चित होती है ?
- क्या इन योजनाओं से अत्यंत गरीब परिवारों को कोई लाभ होता है?
- क्या आप निर्णय लेने वालों को जानते हैं? क्या आपको लगता है निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता है?
- यदि आप अधिकारीयों को सेवा में सुधार हेतु कुछ सुझाव देना चाहते हैं तो ये सुझाव आप कैसे दे सकेंगे?

प्रतिभागियों से पूछें कि क्या उन्हें संवैधानिक अधिकारों की जानकारी है? और उन्हें बताएं कि योजनायें संविधान में वर्णित अधिकारों को पूरा करने के लिए ही लागू की जाती हैं|

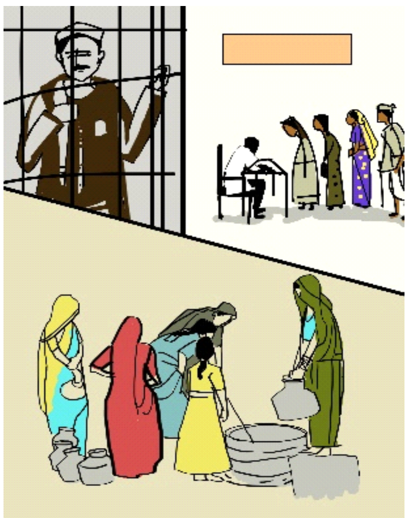

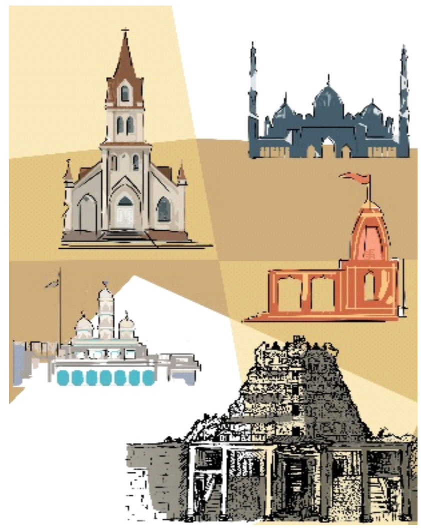

अपेक्षित परिणाम

इसे अच्छी तरह से नोट करें ताकि अगली बैठक में सबके सामने सरलता से रखा जा सके|

बैठक संख्या 10

विषय : संवाद और प्रदर्शनी
प्रक्रिया : विभिन्न हितभागियो से बातचीत और प्रदर्शनी
समय : 2 घंटे
उद्देश्य : समुदाय द्वारा सत्र के दौरान सीखी बातों और उन पर बातचीत की गयी गतिविधियों का प्रदर्शन | सेवा प्रदाताओं के साथ

प्रतिभागियों के स्वागत के उपरान्त सुगमकर्ता सदस्यों से पिछली बैठक में की गई चर्चा और कार्ययोजना की पुनरावृति के लिए आग्रह करेंगे |

सुगमकर्ता की मदद से कोई भी समूह सदस्य इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे |

बैठक का प्रारम्भ स्वागत गीत से किया जा सकता है जिसके उपरान्त सभी को बैठक में आने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करना है और दिन भर की आनेवाली गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी देना है |

समूह सदस्य क्रमवार तरीके से पिछली बैठको से प्राप्त सीख और अपनाए गए नीतियों को संक्षेप में चार्ट पोस्टर आधी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे |

सामुदायिक बैठक की समाप्ति से पूर्व हितधारको को भी उनके अनुभव और विचार रखने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए| उनके अनुभवों और विचारो को सुगमकर्ता नोट करके रखेंगे जिनको समय पर उद्धृत किया जा सके |

अंत में सुगमकर्ता समुदाय के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देंगे और इस सहभागी अध्ययन गतिविधि के अंतर्गत शुरू की गयी प्रक्रिया को निरंतर रखने का अनुरोध करेंगे |

प्रस्तुति का अच्छा पूर्वाभ्यास बेहतर तरीके से बात रखने के लिए जरुरी है |

प्रतिभागियों में अधिकांशतः समुदाय के सदस्य और मुख्य हितधारक जैसे ग्राम प्रधान, सरकारी कर्मचारी, विकास कार्यकर्ता, स्वोअस्ति कार्यकर्ता आदि होंगे जिन्होंने पहले बैठक में भाग नहीं लिया है | श्रोताओ में किशोर, गर्भवती, धात्री माताओ, बुजुर्गो और समाज के सभी वर्ग को रखने का प्रयास करें |

नुक्कड़ नाटक, कठपुतली खेल और कहानी के माध्यम से प्रस्तुति को रोचक बनाया जा सकता है |

हितधारक विशेषकर सरकारी सुविधादाताओं को कार्यक्रम उदघाटन का अनुरोध करें ताकि समुदाय में उनकी भूमिका को प्रोत्साहन मिले इस बैठक की तैयारी में सुगमकर्ता सदस्यों की मदद स्क्रिप्ट लेखन, अभिनय और रिहर्सल आदि में करेंगे |

सदस्य सजावट के लिए स्थानीय उपलब्ध चीजें जैसे साडी, परदे, पत्ते,, बीज फूल आदि का उपयोग करेंगे | इसके साथ ही गाँव के बीज, बिना उपजाए खाद्य आदि की प्रदर्शनी भी लगा सकते हैं |

समूह से सदस्य विभिन्न व्यवस्था जैसे भोजन, लाउडस्पीकर आदि के लिए स्वेच्छा से पैसे जमा कर सकते हैं |

बैठक का आयोजन उल्लासपूर्वक और एक त्यौहार की तरह होना चाहिए |

Sustainable Eco-friendly Farming for Small and Marginal Tribal Families

Implemented by

VAAGDHARA

Supported by

Azim Premji Philanthropic Initiatives